भारतीय हीरा निर्यात में गिरावट

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारत के **हीरे निर्यात** में भारी गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। अनुमानों के अनुसार, **वर्ष 2023-24 में** इसके घटकर 5 वर्ष के निचले स्तर लगभग **15-16 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर आने की संभावना** है।

- इस निराशाजनक स्थिति का कारण **अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख** बाज़ारों द्वारा मांग में कमी है, जिनकी सामूहिक रूप से भारत के हीरे के निर्यात में लगभग 65% की हिस्सेदारी होती है।
- इस निर्यात मंदी के प्रमुख कारणों में वैकल्पिक खर्च विकल्पों का उद्भव, **प्रयोगशाला में निर्मित हीरों** की बढ़ती लोकप्रियता एवं भू-राजनीतिक तनाव आदि हैं।
  - प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हीरों के विपरीत, प्रयोगशाला में निर्मित हीरों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। हालाँकि **दोनों की रासायनिक संरचना एवं अन्य भौतिक व ऑप्टिकल गुण काफी समान हैं।**
- **प्रमुख हीरा उत्पादक देश**: रूस, बोत्सवाना, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य।
  - **भारत में सूरत को डायमंड सिटी के नाम** से जाना जाता है। इस शहर का बहुमूल्य रत्नों के प्रसंस्करण में अग्रणी स्थान है, **विश्व के लगभग 90% कच्चे हीरे इसी शहर में काटे और पॉलिश किये जाते हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/decline-in-indian-diamond-exports